VIDYA
UNIVERSITY PRESS

सुगंधा

हिन्दी की पाठ्य-पुस्तक

कक्षा 3

Teacher's Resource Book

सुगंधा–3

1. प्रभु, विमल बनें

❐ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii)

2. देश की **माटी देश का जल,**
हवा देश की देश के फल,
सरस बनें प्रभु सरस बनें।
देश के घर **और देश के घाट,**
देश के वन और देश के बाट,
सरल बने प्रभु सरल बनें।

3. (क) हमारे देश के घाट स्वच्छता और शालीनता को अपनाकर सरल बन सकते हैं।
(ख) तन और मन के विमल होने से आशय; तन स्वस्थ और मन पवित्र होने से है।
(ग) देश की मिट्टी उपजाऊ, जल मीठा और हवा मन को सुकून देने वाली हो।
(घ) कवि देश के लोगों की आंतरिक और बाह्य भावनाओं एवं आपसी भाईचारे को विमल बनाना चाहता है।
(ङ) इस कविता में कवि की मानवता की भावना को व्यक्त किया गया है।

❐ व्याकरण-बोध

4. देश के तन और देश के मन,
देश के घर के भाई–बहन,
विमल बनें प्रभु विमल बनें।

5. विमल, सरस, प्रार्थना, प्रभु, बहन।

6.

हवा —	पवन	(पावक)	वायु
घर —	गृह	सदन	(वदन)
वन —	कानन	(कुंडल)	जंगल
जल —	(वारिज)	नीर	पानी

7. सरस — अशोक वाटिका **सरस** फलों से सजी–धजी थी।
घाट — प्रयागराज के संगम **घाट** पर बहुत भीड़ थी।
देश — हमें अपने **देश** पर गर्व है।
प्रभु — हे **प्रभु!** हमें ज्ञान प्रदान करें।

❒ योग्यता-विस्तार

8. नागालैंड—नागालैंड भारत का उत्तर-पूर्वी राज्य है। इसकी स्थापना 1 दिसंबर, 1963 को भारत के 16वें राज्य के रूप में हुई थी। नागालैंड की राजधानी कोहिमा है। यहाँ की राजकीय भाषा अंग्रेजी है। इस राज्य के जिलों की संख्या ग्यारह है।

पंजाब—पंजाब उत्तर-पश्चिम भारत का एक राज्य है। इसकी राजधानी चंडीगढ़ है। 1 नवंबर, 1966 को पंजाब अस्तित्व में आया। सिक्खों का सर्वाधिक पवित्र स्थल स्वर्ग-मंदिर अमृतसर में स्थित है। कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है।

केरल—केरल भारत का एक प्रांत है जिसकी राजधानी तिरुवनंतपुरम है। यहाँ की भाषा मलयालम है। विज्ञापनों में केरल को 'ईश्वर का अपना घर' कहा जाता है। औणम केरल का राज्योत्सव है। वहाँ अनेक प्रकार के दर्शनीय स्थल हैं, जिनमें प्रमुख पर्वतीय तराइयाँ, समुद्रतटीय क्षेत्र, अरण्य क्षेत्र आदि हैं।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

2. एक याद

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (iii)

2. (क) आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू थे।

(ख) नेहरू जी को बच्चे प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे।

(ग) कई भाषाओं के शब्दों को मिलाकर बोली या लिखी जाने वाली भाषा को खिचड़ी भाषा कहते हैं।

(घ) 'बाल-दिवस' के रूप में जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन मनाया जाता है।

(ङ) चाचा नेहरू ने बालिका की पुस्तिका में यह संदेश लिखा कि जीवन में कभी हार न मानो। कठिनाइयों में भी हँसना सीखो।

❒ व्याकरण-बोध

3. (क) अभिनंदन (ख) टोलियाँ (ग) हस्ताक्षर (घ) धन्यवाद

4. (क) प्रधानमंत्री (✓) (ख) चाचा नेहरू (✓)

(ग) 14 नवम्बर (✓) (घ) गुलाब का फूल (✓)

(ङ) शांतिवन (✓)

5.

संज्ञा शब्द		सर्वनाम शब्द	
भारत	प्रधानमंत्री	उन्हें	उनका
बच्चे	पुस्तिका	इन्हीं	मुझे
जवाहरलाल नेहरू		आपका	

6.

शब्द	समानार्थी शब्द	शब्द	समानार्थी शब्द
आजाद	स्वतंत्र	अधिक	बहुत
प्रथम	पहला	प्यार	प्रेम

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8.

हार	—	जीत
गुलाम	—	आजाद
हँसना	—	रोना

❒ योग्यता-विस्तार

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

3. डाकघर

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. (क) पत्र रजत गोयल ने अपने भाई अमन को लिखा।

(ख) डाकघर डाक के कार्यालय को कहते हैं।

(ग) डाकघर में डाक भेजने/डाक प्राप्त करने का प्रबंध होता है

(घ) डाकघर से हम पोस्टकार्ड, लिफाफे, टिकटें आदि खरीद सकते हैं।

(ङ) रजिस्टी करने वाला पत्र या पार्सल को रजिस्टर करता है।

(च) डाक-खाते में पैसा जमा करने और निकालने का यह तरीका है कि डाकघर में बचत खाता खोलकर अपना रुपया जमा कराकर कॉपी (पासबुक) पर मोहर लगवा लेते हैं और जब चाहें अपने खाते से पैसा निकलवा सकते हैं।

❒ व्याकरण-बोध

3.

खुश	— आनंद	(प्रसन्न)	सुख
अध्यापक	— पंडित	वैज्ञानिक	(शिक्षक)
इन्तजाम	— इनकार	(प्रबंध)	इंतजार
खबर	— सूचक	खबरी	(सूचना)
दफ्तर	— कार्यशाला	कार्य	(कार्यालय)

4. लिफाफा — लिफाफे | खिड़की — खिड़कियाँ
पैसा — पैसे | कॉपी — कॉपियाँ
खाता — खाते | टिकट — टिकटें
डाकखाना — डाकखाने | बहन — बहनें
रजिस्ट्री — रजिस्ट्रियाँ | मोहर — मोहरें

5. अवश्य, नष्ट, क्या, क्लर्क, रजिस्टर, नमस्ते, द्वारा, अध्यापक

❒ योग्यता-विस्तार

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

4. स्वच्छता से स्वास्थ्य

❒ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iv)

2. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗

3. (क) केतन के बीमार पड़ने का कारण उसके गली-मोहल्ले में फैली गंदगी था।

(ख) कई दिनों से केतन के विद्यालय न आने के कारण उसकी हाल-खबर लेने के लिए जतिन उसके घर गया।

(ग) हमें कूड़ा कूड़ाघरों में फेंकना चाहिए।

(घ) देश के हर नागरिक को अपने मोहल्ले, अपने शहर और देश को स्वच्छ रखने तथा स्वस्थ रहने का ध्यान रखना चाहिए।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) लड़का (ख) स्वास्थ्य (ग) सुबह (घ) बालक
(ङ) कपड़े

5. वह, उसे, उसने।

❒ योग्यता-विस्तार

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐

5. विवेकी हंस

❐ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (iv) (ग) (iv)

2. (क) देवदत्त ने सिद्धार्थ से (ख) सिद्धार्थ ने मंत्री से
(ग) राजा ने मंत्री से (घ) मंत्री ने राजा से

3. (क) राजकुमार सिद्धार्थ बगीचे में घूम रहे थे।
(ख) घायल हंस को देखकर सिद्धार्थ ने उसे उठाया और उसका बाण निकालकर घाव साफ किया।
(ग) हंस को बाण देवदत्त ने मारा था।
(घ) सिद्धार्थ और देवदत्त का झगड़ा राजदरबार में जाकर विवेकी हंस द्वारा स्वयं ही सही पात्र का चुनाव कर लेने से सुलझा।
(ङ) दोनों राजकुमारों में से हंस सिद्धार्थ के पास ही इसलिए गया, क्योंकि सिद्धार्थ ने उसके प्राणों की रक्षा की थी।

❐ व्याकरण-बोध

4.

क्रूर

नीर-क्षीर विवेकी

दयालु

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

5. (क) ठंडा (iii) मंडी
(ख) मंत्री (iv) संतरी
(ग) दरबार (i) किरदार
(घ) हंस (ii) कंस

6.

कघा	कस	हस	पजाबी	पखा
कंघा	कंस	हंस	पंजाबी	पंखा

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

6. जीवन का सार

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (i)

2. (क) चुभती, प्रेम-सुधा, बूढ़े, मजाक (ख) वैरी, दूर, ठाली, काम

(ग) सेवा-धर्म, बड़ा, मेवा, चित्त

3. (क) **भाव**—इन पंक्तियों में बताया गया है कि समय बहुत ही मूल्यवान है। इसके एक-एक क्षण के महत्त्व को समझना चाहिए और इसे बेकार नहीं जाने देना चाहिए। घर के कामों में हाथ बँटाना चाहिए, कभी भी इसके लिए शर्म नहीं करनी चाहिए।

(ख) **भाव**—इन पंक्तियों में बताया गया है कि जो व्यक्ति सदैव आपके सामने आपकी प्रशंसा करता हो उसे कभी भी अपना मित्र नहीं समझना चाहिए। साथ-ही उसके मुख से अपनी ज्यादा बड़ाई सुनकर इतराना भी नहीं चाहिए, क्योंकि इसके द्वारा उत्पन्न अहंकार हमारी उन्नति में बाधक होता है।

4. (क) सदा रहो आनंद से, यह जीवन का सार।

(ख) माता-पिता-गुरु को सदा, नित्यप्रति करो प्रणाम।

(ग) देरी करना है बुरा, लेगा आलस घेर।

(घ) गुण गाता जो सदा तुम्हारे, उसे न मित्र बनाओ।

5. (क) हमें शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए व्यायाम करना चाहिए।

(ख) माता-पिता और गुरु के शुभाशिष से सब काम बन जाते हैं।

(ग) हमें आलस्य को अपना वैरी समझना चाहिए।

(घ) समयरूपी मूल्यवान चीज को व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए।

(ङ) कवि द्वारा आलस्य से दूर रहने की बात कही गई है, क्योंकि आलस्य में घिरकर, व्यक्ति दरिद्रता और बीमारियों का शिकार हो जाता है।

❒ व्याकरण-बोध

6. आशिष, प्रणाम, व्यायाम, आनन्द, सुधा।

7.

चित्त	मन	मूल्यवान	कीमती
मित्र	साथी	जगत्	संसार
वैरी	शत्रु	सुधा	अमृत
व्यर्थ	बेकार	मान	आदर

8.

प्यार	सार	देर	घेर
प्रणाम	काम	भरपूर	दूर
गँवाओ	शरमाओ	बरसाओ	उड़ाओ

9. (क) डर (ख) खुशी (ग) कष्ट

❒ योग्यता-विस्तार

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

7. सबके स्वामी, तुझे प्रणाम!

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (i)

2. (क) **भाव**—इन कविता की लाइनों के माध्यम से बालक प्रार्थना करते हुए कहते हैं कि हे ईश्वर! आप एक हैं किंतु आपके नाम अनेक हैं जिनके बारे में सिर्फ आपको ही पता है।

(ख) **भाव**—प्रार्थना करते हुए बालक कहते हैं कि हे प्रभु! आप सबके हृदय में निवास करते हैं। कोई भी ऐसी जगह नहीं है जहाँ पर आपका निवास न हो। आप सभी जगह हैं।

3. (क) कितने (ख) ईसा (ग) अंतर (घ) प्रणाम

4. (क) हम सबके हृदय में ईश्वर रहता है।

(ख) ईश्वर के अनेक नाम हैं।

(ग) ईसा ईसाइयों का भगवान है।

(घ) बच्चे ईश्वर को प्रणाम इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि वे ही इस जग के पालनहार हैं और हम सबके स्वामी हैं।

❒ व्याकरण-बोध

5. धरती = ध् + अ + र् + अ + त् + ई

मस्जिद = म् + अ + स् + ज् + इ + द् + अ

स्वामी = स् + व् + आ + म् + ई

प्रणाम = प् + र् + अ + ण् + आ + म् + अ

गिरजाघर = ग् + इ + र् + अ + ज् + आ् + घ् + अ + र् + अ

6. (क) वर्णों (ख) वर्णमाला

(ग) स्वरों (घ) 'अ'

(ङ) मात्रा

7. बालक — बालिका | अध्यापक — अध्यापिका

लेखिका — लेखक | नायक — नायिका

गायक — गायिका | शिक्षिका — शिक्षक

8. **ईश्वर** — भगवान

धरती — पृथ्वी

अंबर — गगन

धाम — निवास

अंतर — हृदय

परमात्मा

धरा

आकाश

घर

दिल

❒ योग्यता-विस्तार

9.

धर्म		**भगवान**
हिंदू	—	राम
मुस्लिम	—	अल्लाह
सिक्ख	—	गुरु नानक
ईसाई	—	ईसा मसीह

सभी धर्म हमें मिल-जुलकर सद्भावपूर्ण जीवन जीने की शिक्षा देते हैं।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

11. (क) हिंदू → (i) मंदिर

(ख) मुस्लिम → (ii) मस्जिद

(ग) सिख → (iii) गुरुद्वारा

(घ) ईसाई → (iv) गिरजाघर

❒

8. शिक्षा बड़ी या धन

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv)

2. (क) राजा ने (ख) पहले बालक ने (ग) दूसरे बालक ने
(घ) तीसरे बालक ने (ङ) राजा ने

3. (क) राजा अँधेरे में रास्ता भटक जाने तथा भूख-प्यास से व्याकुल हो जाने के कारण टीले पर बैठा था।

(ख) तीसरे बालक की इच्छा से राजा प्रभावित हुआ, क्योंकि उसने राजा से धन-वैभव न माँगकर केवल ऐसा आर्शीवाद देने को कहा जिससे वह पढ़-लिखकर देश की सेवा कर सके।

(ग) वह ज्ञान है जो जीवनभर मनुष्य के काम आता है तथा जिसे कोई चुरा नहीं सकता।

(घ) ''हम दोनों ने राजा से पुरस्कार माँगने में बड़ी भूल की।'' पहले दोनों बच्चों ने ऐसा इसलिए कहा, क्योंकि ज्ञान के अभाव में उनका सारा धन-वैभव नष्ट हो गया था।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) वे राजा के लिए पानी ले आए।

(ख) राजा बहुत खुश हुआ।

(ग) मैंने सुन्दर कपड़े नहीं पहने हैं।

(घ) वह उत्तर की प्रतीक्षा करने लगा।

(ङ) वे तीनों अच्छे दोस्त थे।

5.

थकान — थकावट	⋮	परिश्रम — परिश्रमी
प्यास — प्यासा	⋮	धन — धनी
भाग्य — भाग्यशाली	⋮	बुद्धिमान — बुद्धिमानी

6.

(क) खुशी का ठिकाना न रहना	→	(iv) बहुत प्रसन्न होना
(ख) साँस रोके खड़ा होना	→	(iii) बेचैनी या उत्सुकता दिखाना
(ग) घी के दीये जलाना	→	(ii) खुशियाँ मनाना
(घ) धन डूब जाना	→	(i) रुपये-पैसे का नुकसान होना

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

9. चीजें अपनी जगह रखें

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii)

2. (क) बस्ता, मेज, सोफे, पीछे।

(ख) बोतल, फ्रिज, सोने, में, पाए, मिली।

(ग) की, रोज, खूँटी पर रखते हैं, तकिए, नीचे

3. (क) मनीषा (ख) पिताजी (ग) दीपक (घ) माँ।

4. (क) दीपक बस्ता ढूँढ़ रहा है।

(ख) बस्ता कमरे में सोफे के पीछे से मिला।

(ग) मनीषा पानी की बोतल ढूँढ़ रही है।

(घ) बोतल पलंग के नीचे पाए के पास मिली।

(ङ) पिताजी गाड़ी की चाबी ढूँढ़ रहे हैं।

(च) कार की चाबी तकिए के नीचे मिली।

❒ व्याकरण-बोध

5. (क) मोजा पैसे

जूता बैट-बॉल

पानी की बोतल भोजन

(ख) सूची

मेरे पास मोजे नहीं हैं, मुझे नए मोजे चाहिए।

मेरे पास जूते नहीं हैं, मुझे नए जूते चाहिए।

मेरे पास पैसे नहीं हैं, मुझे पैसे चाहिए।

मेरे पास बैट-बॉल नहीं है, मुझे बैट-बॉल चाहिए।

6. व्यक्तिवाचक संज्ञा — दीपक, मनीषा।

जातिवाचक संज्ञा — पुस्तक, बोतल।

भाववाचक संज्ञा — ख्याल, पढ़ाई।

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

10. किसका भूत?

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (iv)

2. (क) अभय शहर में अपने मामा के यहाँ रहकर पढ़ाई करता था।
(ख) अभय ने अपने मित्र सुनील को भूत समझकर डंडा मारा।
(ग) अभय भूत से बचने के लिए झाड़ियों के पीछे छिप गया।
(घ) दोनों मित्र शंका के भूत का खुलासा हो जाने के कारण हँसे।
(ङ) अभय के मित्र को टाँग के दर्द के कारण रात-भर नींद नहीं आई।

❒ व्याकरण-बोध

3. अभय रेलगाड़ी में बैठकर गाँव आया। सुनील सूजी हुई टाँग सेंक रहा था। भूत डंडा लगते ही कराहने लगा। रास्ता कंकड़ और पत्थरों से भरा हुआ था।

4.

इम्तिहान	→ परीक्षा	डर	→ भय
पाँव	→ पैर	घर	→ गृह
रात्रि	→ रात	प्रात:	→ सुबह
कठिनाई	→ मुश्किल	पीड़ा	→ दर्द

5.

(ड)	(ढ)	(ड़)	(ढ़)
डर	ढक्कन	घड़ा	बढ़ना
डाक	ढीला	पेड़	पढ़ना

6. मुझे, वहाँ, मेरे, कोई, मैं, मेरी, यह, मैं, वहाँ।

7.

मित्र	शत्रु	कच्चा	पक्का
जल्दी	देर	अधिक	कम
अँधेरा	उजाला	समीप	दूर

8.

गुलाब	→ काँटा	कुरता	→ पाजामा
सूरज	→ किरण	कमीज	→ पैण्ट
कप	→ प्लेट	जूते	→ मोजे
बाल्टी	→ लोटा	साड़ी	→ ब्लाउज

❒ योग्यता-विस्तार

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

11. थॉमस अल्वा एडीसन

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (iii)

2. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗

3. (क) उत्साह (ख) अखबार
(ग) कप्तान (घ) आग

4. (क) एडीसन की माँ उसके बारे में यह सोचती थी कि वह बड़ा होकर जरूर महान व्यक्ति बनेगा।

(ख) एडीसन का पूरा नाम था—थॉमस अल्वा एडीसन।

(ग) एडीसन ने अनेक वस्तुओं की खोज की। इनमें बिजली का बल्ब, पंखा, ग्रामोफोन, मूक फिल्मों में आवाज भरने का काम तथा बेतार का तार, कैमरा, टाइपराइटर एवं टेलीफोन।

(घ) एडीसन ने पढ़ाई में मन न लगने के कारण स्कूल जाना छोड़ दिया।

(ङ) विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ व्याकरण-बोध

5. कौन मैं
तुम
कुछ यह
वह कोई

6. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (iii)
(ङ) (ii)

7. प्रधानाचार्य = प्रधान + आचार्य
शुभारंभ = शुभ + आरंभ
भावार्थ = भाव + अर्थ

❒ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

12. संगति का प्रभाव

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. (क) भजन (ख) थैले में (ग) लगाए (घ) बोली
(ङ) छुए

3. (क) एक ही वन के दो तोतों के स्वभाव में बड़ा अंतर संगति के प्रभाव के कारण था।

(ख) यात्री ने आत्मरक्षा के लिए जेब से पिस्तौल निकाल ली।

(ग) यात्री के साथ दूसरे तोते ने स्वागत-भरा आदरपूर्ण व्यवहारकिया।

(घ) आश्रम का वातावरण प्यार से परिपूर्ण होता है।

(ङ) बुरी संगति से इसलिए दूर रहना चाहिए, क्योंकि उसका प्रभाव हमारे आचरण और वातावरण को दूषित कर देगा।

(च) बेर और केले का उदाहरण इसलिए दिया गया है, क्योंकि इसके माध्यम से बुरी संगति के प्रभाव से दूर रहने की बात बताई गई है। बेर की झाड़ी के पास यदि केले का पेड़ हो तो बेर के काँटे केले के पत्तों को चीर देते हैं।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) साधु → (ii) असाधु

(ख) मधुर → (iii) कर्कश

(ग) अच्छा → (iv) बुरा

(घ) एक → (v) अनेक

(ङ) सही → (i) गलत

5. हात्माम — महात्मा ¦ पिलस्तौ — पिस्तौल
रत्कास — सत्कार ¦ संतिग — संगति

❒ योग्यता-विस्तार

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

13. दूसरे का दुख

❐ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv)

2. (क) मोहित (ख) कटु (ग) सीढ़ियों (च) अस्पताल
(ङ) स्वामी विवेकानन्द

3. (क) फोर्ट विलियम देखने कोलकाता के एक कॉलेज के विद्यार्थी गए।

(ख) बच्चे का मजाक इसलिए उड़ाया गया, क्योंकि वह कमजोर था, पेट में दर्द के कारण ठीक से चल नहीं पा रहा था।

(ग) बच्चे को बेहोश देखकर उसके एक साथी ने अपने दूसरे साथी को बुलाया और उसे तुरंत अस्पताल पहुँचाया।

(घ) बच्चे ने अपने रोने का यह कारण बताया कि पहले तो मैं भी इसका मजाक उड़ा रहा था। यदि इसे कुछ हो गया होता हो शायद मैं अपने आपको कभी क्षमा न कर पाता।

❐ व्याकरण-बोध

4. वह लड़का वहीं सीढ़ियों पर लेट गया। बच्चे किले को देख रहे थे कि अचानक उनमें से एक ने मन में सोचा—'हमें अपने साथी को इस तरह नहीं छोड़ना चाहिए था किला तो कल भी यहीं रहेगा, पर बेचारे साथी को कुछ हो गया तो उसके माता-पिता को अपार दुख होगा।'

5. (क) कटु — अपनी बोली-भाषा में **कटु** शब्दों का प्रयोग मत करो।

(ख) अस्पताल — घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत **अस्पताल** पहुँचाइए।

(ग) माता-पिता — **माता-पिता** ही ईश्वर का दूसरा रूप हैं।

(घ) मजाक — कभी भी किसी का **मजाक** नहीं उड़ाना चाहिए।

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

14. पौधों का जीवन

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (iii)

2. पत्ता — मेथी, पत्तागोभी, पालक ¦ तना — गन्ना, कमल-ककड़ी
फल — करेला, टमाटर, टिंडा ¦ बीज — चना, मटर, सेम, लोबिया

3. (क) रात को बेल हिलाने पर माँ ने काजल से कहा कि बेटी इस समय पौधों को नहीं छेड़ना चाहिए। पौधे सो गए हैं।

(ख) फूल तोड़ने के कुछ देर बाद मुरझा इसलिए जाता है, क्योंकि उसे भोजन मिलना बंद हो जाता है।

(ग) पेड़ की जड़ें पौधों के लिए धरती से खनिज और पानी चूसती हैं और तने की ओर धकेलती हैं। ये पौधों को मिट्टी में मजबूती से गाड़कर भी रखती हैं।

(घ) पेड़-पौधों के लिए पत्तियाँ सूर्य की गरमी से कार्बन डाइ-ऑक्साइड लेकर हरीत्तकों की सहायता से भोजन बनाने का कार्य करती हैं।

(ङ) पौधों के द्वारा प्रदान की गई ऑक्सीजन हम ग्रहण करते हैं तथा हमारे द्वारा छोड़ी गई कार्बन डाइ- ऑक्साइड गैस को पेड़-पौधे ग्रहण करते हैं एवं इनके द्वारा प्राप्त फलों, बीजों को हम भोजन के रूप में तथा हमारे अपशिष्ट पदार्थों को यह भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं। इस प्रकार हमारा जीवन वनस्पति-जगत् पर निर्भर है।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) काजल **का** भाई आया है।
(ख) काजल **ने** कहानी लिखी है।
(ग) उसने तौलिये **से** अपना शरीर पोंछा।
(घ) भाई ने बहन **को** उपहार दिया।
(ङ) मेज **पर** पुस्तकें रखी हैं।

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

6. स्त्रीलिंग — बेल, बेटी, माँ, जड़ें, सब्जी
पुल्लिग — फूल, पौधा, पिता, गुलाब, पत्ते

7. जहाँ पढ़ने के लिए पुस्तकें रखी जाती हैं — पुस्तकालय
प्रतिमास होने वाला — मासिक
वर्ष में एक बार होने वाला — वार्षिक
जो विज्ञान से सम्बन्धित हो — वैज्ञानिक

❒ योग्यता-विस्तार

8. (क) वर्षा (ख) कुर्सी।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

15. खेल-खिलाड़ी

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (i)

2. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii)

3. (क) सचिन को भारत सरकार द्वारा अर्जुन पुरस्कार, राजीव गांधी खेल रत्न सम्मान, पद्मश्री तथा भारत रत्न सम्मान प्राप्त हुए हैं।

(ख) अब तक सचिन इक्यावन टेस्ट शतक लगा चुके हैं।

(ग) पहला टेस्ट मैच सचिन ने पाकिस्तान के विरुद्ध खेला था।

(घ) सचिन के अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट जीवन की शुरुआत 15 नवम्बर, सन् 1989 को हुई।

(ङ) किक्रेट का प्रशिक्षण सचिन ने रमाकांत आचरेकर ने प्राप्त किया।

(च) आरंभ में सचिन एक तेज गेंदबाज बनना चाहते थे।

❒ व्याकरण-बोध

4.

जन्म	—	जीवन	(मृत्यु)	उत्पन्न
एक	—	(अनेक)	एकता	अनेकता
आदि	—	प्रारंभ	शुरू	(अंत)
बच्चा	—	(बूढ़ा)	बचपन	बेबी
धर्म	—	धार्मिक	(अधर्म)	पूजा
प्रिय	—	(अप्रिय)	पसंद	रुचिकर

5. (क) अर्थ—विमुख रह जाना।

वाक्य-प्रयोग—बीमार पड़ जाने के कारण मैं खेल में भाग लेने से वंचित रह गया।

(ख) अर्थ—कहीं का न रहना।

वाक्य-प्रयोग—पढ़े-लिखे युवक भी बेरोजगारी के कारण मारे-मारे फिरते हैं।

6.

धर्म	—	धार्मिक
परिवार	—	परिवारिक
वर्ष	—	वार्षिक
प्रारम्भ	—	प्रारम्भिक
शिक्षा	—	शैक्षिक

7. मुझे **क्रिकेट** खेलना अच्छा लगता है।
व्यक्ति अपने अच्छे कर्मों से **महान** बनता है।
सचिन के **प्रशिक्षक** रमाकांत आचरेकर थे।
रवीन्द्रनाथ टैगोर को **पद्मश्री** से सम्मानित किया गया था।

❐ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. क्रिकेट।

❐ जीवन-मूल्य

10.

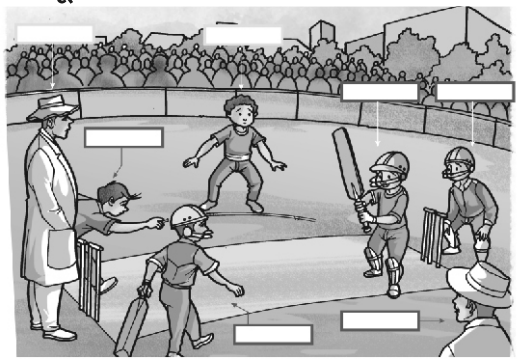

(क) अंपायर (ख) बॉलर (ग) फिल्डर (घ) बैट्समैन
(ङ) विकेटकीपर (च) बैट्समैन (छ) अंपायर ❑

16. रंगों का पर्व : होली

❐ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv)

2. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii)

3. (क) होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठी थी।
(ख) फाग होलिका-दहन के दिन अर्थात् रंग खेलने वाले दिन गाया जाता है।
(ग) होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।
(घ) पिताजी ने बच्चों को यह समझाया कि होली का त्योहार सभी प्रकार के भेद-भावों को मिटाकर हमें प्रेम-भाव से रहने का संदेश देता है। इसलिए हमें किसी पर ग्रीस, कीचड़ या गन्दी चीजें नहीं डालनी चाहिए, क्योंकि इनका शरीर पर गलत प्रभाव पड़ता है।
(ङ) हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम मिल-जुलकर आपसी मेल-जोल को बढ़ाएँगे तथा एकता और सच्चाई के मार्ग पर चलेंगे।

❒ व्याकरण-बोध

4. पूर्णिमा, पवित्रता
व्यवहार, सच्चाई

5. (क) **त्योहारों में** हम **खुशियाँ** मनाते हैं।
(ख) हमें होली अच्छे **रंगों** से खेलनी चाहिए।
(ग) माँ ने **मिठाइयाँ** बनाईं।
(घ) ब्रज में **फूलों** से होली खेली जाती है।

6. जनवरी फरवरी मार्च अप्रैल मई जून जुलाई अगस्त
सितंबर अक्टूबर नवंबर दिसंबर

❒ योग्यता-विस्तार

7.

त्योहार	**पकवान**	**त्योहार**	**पकवान**
दीपावली	मिठाइयाँ	लोहड़ी	रेवड़ी, मूँगफली
होली	गुझियाँ	गुरु पर्व	मिठाइयाँ
ईद-उल-फितर	सेवइयाँ	गुड-फ्राइडे	—
रमजान	फैनी	क्रिसमस	कोकोनट केक

❒ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

17. रट्टू तोता

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (iii)

2. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓

3. (क) रमेश विषय को रट-रटकर पढ़ रहा था।
(ख) माँ रमेश के पूरे साल पढ़ाई न करने तथा परीक्षा के समय विषय के रटने के व्यवहार से खुश न थीं।
(ग) रमेश ने परीक्षा में अनेक प्रश्नों के उत्तर गलत लिखे।
(घ) अपनी गलती से रमेश ने यह सीखा कि अब वह पूरे वर्ष पढ़ाई करेगा और विषय को समझकर याद करेगा।
(ङ) पाठ पढ़कर हमने यह सीखा कि केवल परीक्षाओं के समय विषय को नहीं रटना चाहिए, बल्कि पूरे वर्ष मेहनत और लगन से पढ़ना चाहिए।
(च) यदि रमेश पूरे वर्ष पढ़ा होता, तो वह परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के सही-सही उत्तर लिखता और उसे पछताना न पड़ता।

❒ व्याकरण-बोध

4.

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
तोता	तोते	लड़का	लड़के
ताला	ताले	कमरा	कमरे
बच्चा	बच्चे	बकरा	बकरे

5.

त्त	न्न	ट्ट
पत्ता	प्रसन्न	रट्टू तोता
कुत्ता	संपन्न	पट्टा

6. (क) भविष्यत्काल (ख) वर्तमानकाल (ग) वर्तमानकाल
(घ) भूतकाल (ङ) वर्तमानकाल

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

18. वन के पंछी

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv)

2. (क) आसमान (ख) दुनिया (ग) श्रम (घ) घर

3. भावार्थ—कवि प्रश्न में दी गई पंक्तियों के माध्यम से लोगों को लोभ न करते हुए मिल-जुलकर आनंदमय जीवन बिताने का संदेश देते हुए कहता है कि पंछियों को देखिए वे अनंत आकाश में किस तरह आनंदपूर्वक विचरण करते हैं। वे कभी भी दूसरों की कमाई से अपना घर नहीं भरते। वे ईश्वर पर पूर्ण विश्वास रखते हैं कि जिसने आज दिया है वही कल भी देगा।

4. सारस ✗ गौरैया ✗ उल्लू ✗ चकोर ✗

5. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗
(ङ) ✗

6. (क) पंछियों का घर आसमान में होता है।
(ख) पंछी जहाँ रहते हैं वहीं अपनी दुनिया बसाते हैं।
(ग) पंछी दिनभर काम करते हैं।
(घ) पंछी औरों की कमाई से अपना घर नहीं भरते।

❒ व्याकरण-बोध

7. लेते — देते | परवाह — चाह
भरते — करते | बसाते — जाते

8. (क) वन में पंछी मिल-जुलकर **रहते हैं**।
(ख) वे दिन-भर काम **करते हैं**।
(ग) वे आकाश में **उड़ते हैं**।
(घ) वे जग का सारा माल नहीं **हड़पते**।
(ङ) वे औरों की कमाई से घर नहीं **भरते**।

9.

सार्थक शब्द	**निरर्थक शब्द**
चातक	आमसान
परवाह	कशु
निर्भय	कतोप
दुनिया	आसप
पंछी	हड़पकर

10. (क) पंछी आकाश में उड़ रहे हैं। पुल्लिग
(ख) कोयल उपवन में कूक रही है। स्त्रीलिंग
(ग) हंस नदी में तैर रहा है। पुल्लिग
(घ) बुलबुल गीत गा रही है। स्त्रीलिंग
(ङ) मोर बाग में नाच रहा है। पुल्लिग

❒ योग्यता-विस्तार

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

12. पक्षियों का जीवन मानव-जीवन से इस प्रकार भिन्न है—
(i) वे आकाश में स्वच्छंद विचरते हैं।
(ii) वे किसी का माल हड़पकर जीने की इच्छा नहीं रखते।
(iii) उन्हें अपने श्रम से जितना मिल जाता है उतने में ही संतुष्ट रहते हैं।
(iv) वे दूसरों की कमाई से अपना घर नहीं भरते।

❒ जीवन-मूल्य

13. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒